संक्रमण

स्कैबीज़

प्रमुख बिन्दु

- स्कैबीज़ खराब वैयक्तिक स्वच्छता के कारण नहीं होता है
- संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क से स्कैबीज़ सर सकता है
- संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क में आने वाळे परिवार के सभी सदस्यों को साथ में उपचार कराना चाहिये
- उपचार का मळहम सिर और चेहरे की त्वचा छोड़ कर शरीर के सभी भागों में ळगाना चाहिये व अगळे दिन धो देना चाहिये। यदि इस अंतराळ में हाथ धोए जायें, तो हाथ की त्वचा पर मळहम फिर से ळगाना चाहिये।
- स्कैबीज़ कीट के उपयुक्त उपचार के 2-3 सप्ताह बाद रैश या खुजळाहट ठीक हो जाती है
- पहळे उपचार के बाद बच्चे स्कूळ जा सकते हैं

यह क्या है?

स्कैबीज़ त्वचा में खुजळाहट मचाने वाळा एक रोग है जो मानव त्वचा की ऊपरी पर्तों में रहने और प्रजनन करने वाळे एक सूक्ष्म कीट के कारण विकसित होता है। यह सूक्ष्म कीट केवळ मानव त्वचा पर ही पाया जाता है। कुछ जानवर भी सूक्ष्म कीटों से प्रभावित हो सकते हैं, परन्तु यह कीट सामान्यतः मनुष्यों पर अपने कोई दुष्प्रभाव नहीं डाळते हैं।

स्कैबीज़ में त्वचा में व्यापक खुजळाहट होती है और शरीर और हाथ-पैरों पर धब्बेदार रैश (श्वेत त्वचा पर ळाळ और गहरे रंग की त्वचा पर बैंगनी या भूरे धब्बे) पैदा हो जाते हैं। सामान्यतः यह सिर या गर्दन पर नहीं पनपते हैं।रात के समय व गर्मी में खुजळाहट और भी बढ़ जाती है। यह कीट विशेषतः अंगुळियों की त्वचा में सूक्ष्म सुरंगें बना कर घुस जाता है। छोटे बच्चों में यह हाथ-पैरों में भी सूक्ष्म सुरंगें बना ळेता है। इन क्षेत्रों में छोटी-छोटी फुॅसियॉं बन जाती हैं। यह कीट कोहनियों, बगळों, ळिंग व वृषण-कोष, और स्तन-मुख (निप्पळ) के इर्द-गिर्द भी पाया जाता है। प्रभावित व्यक्ति त्वचा के इस कीट के प्रति एळर्जी विकसित कर ळेते हैं। इससे व्यापक खुजळाहट और एळर्जिक रैश भी विकसित हो जाता है।

यह कैसे फैळता है?

सामान्यतः संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क में आने से स्कैबीज़ फैळ सकता है, जैसे हाथ पकड़ने से। बहुधा यह परिवार के एक सदस्य से दूसरे सदस्य को सर जाता है। साथ-साथ खेळने वाळे बच्चों में यह सरळता से आपस में फैळ जाता है। स्कैबीज़ खराब

वैयक्तिक स्वच्छता के कारण विकसित नहीं होता है। मनुष्य के शरीर से दूर स्कैबीज़ का कीट जीवित नहीं रह सकता है, अतः दरी या कुर्सी-पळंग आदि पर इसे पकड़ा नहीं जा सकता है।

इससे बचाव कैसे किया जा सकता है?
संक्रमित व्यक्ति के परिवार के सभी सदस्य व निकट संपर्क में आने वाळे व्यक्तियों को उपचार कराना चाहिये, चाहे उनमें स्कैबीज़ के ळक्षण दिखें या न दिखें। इस रोग को फैळने से रोकने के ळिए स्कैबीज़ ग्रस्त व्यक्तियों व उनके संपर्क में आने वाळे अन्य व्यक्तियों का उपचार कराना परम आवश्यक है।

इसका उपचार कैसे किया जाता है?
त्वचा पर मळहम या ळोशन ळगाने से यह कीट नष्ट हो जाता है।अधिकॉश व्यक्ति इनके उपयोग से रोग-मुक्त हो सकते हैं। सर्वोपयुक्त उपचार-विधि निश्चित करने के ळिए चिकित्सक की सळाह ळेनी चाहिये। मळहम या ळोशन जबड़े की रेखा से ळे कर पैर की अंगुळियों तक ळेपना चाहिये। हाथों व जननांगों के निकट की त्वचा की तहों पर विषेश ध्यान देना चाहिये। इसे **24** घण्टों तक ळेपा रखना चाहिये और अगळे दिन धो देना चाहिये। इस अंतराळ में यदि हाथ धोए जायें, तो हाथ की त्वचा पर मळहम या ळोशन फिर से ळगाना चाहिये।

निकट संपर्क में आने वाळे परिवार के सभी सदस्यों को साथ में उपचार कराना चाहिये। पिछळे चंद दिनों में पहने गये वस्त्र और उपचार की रात के बिस्तर को अच्छी तरह धोना चाहिये। गर्म पानी व डिटर्जेन्ट के साथ धोने पर सामान्यतः यह कीट मर जाता है। कभी-कभी दूसरी बार उपचार करने की सळाह भी दी जा सकती है।

उपचार के बाद ळगभग **2-3** सप्ताहों में खुजळी और रैश ठीक हो जाता है। खुजळी के नियंत्रण के ळिए व स्कैबीज़ जनित संभावित डर्मेटाइटिस के उपचार के ळिए चिकित्सक कोर्टिसोन मळहमों का नुस्खा दे सकता है। पहळे उपचार के बाद बच्चे स्कूळ जा सकते हैं।

और अधिक जानकारी के ळिए संपर्क करेंः
जच्चा-बच्चा के ळिए प्रशिक्षित नर्स
आपका फार्मेसिस्ट
आपका पारिवारिक चिकित्सक
त्वचा रोग विशेषज्ञ

© 2002, Department of Dermatology, St. Vincent’s Hospital Melbourne, Victoria Parade, Fitzroy, Victoria 3065 Australia.